

an>

Title: Need to provide subsidy on seeds, irrigation and solar energy equipment to farmers in Rajasthan.

श्री सी.आर.चौधरी (नागौर) : मैं किसानों से संबंधित एक महत्वपूर्ण विद्याय माननीय कृषि मंत्री जी के संज्ञान में लाना चाहता हूँ। भारतीय कृषि मुख्य रूप से मानसून पर निर्भर करती है। मानसून समय पर नहीं आने एवं अल्पवृष्टि से अकाल की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। अतिवृष्टि से बाढ़ आ जाती है। फसल पकने पर ओलावृष्टि एवं वृषाण से फसलें चौपट हो जाती हैं। राजस्थान का 2/3 भाग मरुस्थलीय एवं अर्द्ध मरुस्थलीय है तथा सम्पूर्ण राज्य में वृषाण कम होती है। यहां पर ड्रिप सिंचाई एवं सौर ऊर्जा से सिंगल फेज ट्यूबवैल चलाये जाते हैं। सौर ऊर्जा संयंत्रों में किसानों को अनुदान देने से पिछले कुछ वर्षों में किसान इनका भरपूर उपयोग कर रहे हैं। नदरी क्षेत्र में खेतों में पक्की डिग्गी निर्माण पर जो अनुदान दिया जाता था, वह भी बन्द कर दिया गया है। इन विद्याय परिस्थितियों में किसान अपने परिवार एवं देश के लोगों का अनाज उत्पन्न कर पालन करता है। हमारी सरकार किसान हितैषी है एवं उनकी खुशहाली के लिए विनित है। किसानों को संकट से उबरने के लिए एवं उसको बीज, खाद, सिंचाई उपकरण एवं सौर ऊर्जा उपकरणों आदि पर अनुदान दिया जाता रहा है। पिछले कुछ सालों से केन्द्र सरकार द्वारा ड्रिप सिंचाई उपकरण एवं सौर ऊर्जा उपकरणों आदि पर अनुदान दिया जाता रहा है लेकिन केन्द्र सरकार द्वारा ड्रिप सिंचाई एवं सौर सिस्टम पर अनुदान कम कर दिया गया है। अनुदान की राशि कम करने से किसानों में शोका व्याप्त है। जिसका तुलनात्मक विवरण निम्न प्रकार है:-

संक्र		अनु 2013-14 वर्ष देय अनुदान					अनु 2013-14 वर्ष देय अनुदान				
		प्रतिशत अंश	संख्या	अति संख्या	कुल अंश	प्रतिशत अंश	संख्या	अति संख्या	कुल अंश		
	सामान्य	90	40	10	40	10	50	25	10	15	50
	तृण/सामान्य	90	40	10	40	10	70	35	10	25	30
	डी.पी.ए.पी./ डी.पी.पी. क्षेत्र के सामान्य कुल अंश	90	40	10	40	10	70	35	10	25	30
	डी.पी.ए.पी./ डी.पी.पी. क्षेत्र के तृण सामान्य कुल अंश	90	40	10	40	10	70	50	10	10	30
सौर पम्प	डी.पी.ए.पी./ डी.पी.पी. क्षेत्र के सामान्य कुल अंश	86	56	30	0	14	70	30	40	0	30
	डी.पी.ए.पी./ डी.पी.पी. क्षेत्र के तृण सामान्य कुल अंश	86	56	30	0	14	70	30	40	0	30

अतः मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि पूर्व की भाँति इन पर किसानों को अनुदान दिलाया जाए ताकि देश के कृषि उत्पादन में वृद्धि हो सके।